بسم الله الرحمن الرحيم

Bismillah

www.madareazam.com

दम मदार बेड़ा पार

सिलसिला-ए-मदारिया का शजरा-ए-तरीक़त

بر زباں با صدق خواند شجرۂ قطب المدار	ہرکرابا شد تمنّا دیدنِ پروردگا ر
रेहम कर ऐ दस्तगीर-ए-बेकसां	बहरे सरदार-ए-दो आलम नूर-ए-जान
सुन ले दिल की ऐ खुदा बहरे अली	मुझे पे कर राज़-ए-तरीक़त मंजली
फ़क्र की सब मंज़िलें हो जायें तय	वास्ता या रब हसन बसरी का है
ऐ खुदा बहरे हबीब-ए-पाक दिल	इश्क़ की हो आग दिल में मुश्तइल
बहरे हज़रत बायज़िद-ए-पाकबाज़	खोल दे उल्फत का अपने मुझे पे राज़
बहरे हजरत सैय्यद-ए-कुतबुल मदार	दीन-ओ-दुनिया में तुझी पर हो मदार
बू मुहम्मद के लिए ऐ किबरिया	कर दर-ए-पाक-ए-मुहम्मद का गदा
सदक़ा हज़रत ख़्वाजा-ए-महमूद का	हम्द में अपनी मुझे रख ऐ खुदा
या इलाही शाह प्यारे के लिए	अपनी चाहत और अपना इश्क़ दे
बहरे ख्वाजा शाह-ए-शाहन रब्बाना	इंतेहा-ए-फक़र कर मुझको अता
शाह-ए-हम्मन के लिए ऐ ज़ुल्करम	दूर कर दिल से मेरे कुल हम्मो ग़म
हमें शहे महमूद सानी के तुफैल	हो ना या रब सूए दुनिया दिल को मैल
सदक़े में हज़रत शहे मारूफ़ के	कर मुनव्वर नूर-ए-इरफ़ान से मुझे
बहरे शाहे मौलवी अब्दुल जलील	दे बुज़ुर्गी कर न आलम में ज़लील
सदक़ा ख्वाजा शाह फजलुल्लाह का	रास्ता बतला दे अपनी राह का
सानी ख्वाजा शाह प्यारे के लिए	या खुदा हुब्बे मुहम्मद मुझे को दे
बहरे सानी मौलवी अब्दुल जलील	तू ही हो हर हाल में मेरा कफील
बहरे ख्वाजा मौलवी नज्म-ए-दीन	कर दे अपने मेहर से रौशन जबीन
बहरे ज़ात पाक शम्स उद्दीन हक़	मुनकशिफ हो मुझ पे हालाते तबक़
बहरे मुर्शिद सैय्यद-ए-कल्ब-ए-अली	सामने तेरे हों या रब मुलतजी
हो करम महज़र अली का किबरिया	निस्बत-ए-सैय्यद शजर का वास्ता
दीन-ओ-दुनिया के बर आएं मेरे काम	बे तरददुद जुमला या रब्बे एनाम

कृपया ध्यान दें:

यह शजरा सिलसिला-ए-मदरिया के मुरीद और खलीफाओं को ही पढ़ने की अनुमति है

अल्लामा वा मुफ्ती सैयद शजर अली मदारी के नात शरीफ़ को डाउनलोड करने के लिए यहाँ क्लिक करें: Download

For more information on Islam/ Sufism /Madariyya silsila, kindly whatsapp: +91-7753920114
& visit: www.madareazam.com